हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे

WST

गौ सेवा धाम

हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेन्टर

वर्ल्ड संकीर्तन टूर ट्रस्ट

पूज्या देवी चित्रलेखा जी का जन्म 19 जनवरी 1997 को गौर पार्षद भक्त प्रवर ब्राहम्ण परिवार में भारत के हरियाणा राज्य के पलवल जिले में खाम्बी नामक पावन ग्राम में हुआ जो कि आदि वृन्दावन ब्रज चौरासी कोस की परिधि में स्थित है। मात्र 4 वर्ष की अल्प आयु में ही एक बंगाली संत श्री श्री गिरधारी बाबा महाराज से पूज्या देवी जी का दीक्षा संस्कार हुआ। मात्र 7 वर्ष की उम्र से ही बडे-बडे विद्वानों की तरह पूज्या देवी जी ने देश-विदेश में श्रीमद् भागवत कथा का वाचन एवं गायन करते हुए सनातन धर्म का प्रचार व प्रसार किया। इतनी छोटी उम्र से पूज्या देवी जी के परोपकारी कल्याणकारी, सत्य, प्रेम, करूणा के भाव एवं विचारों ने अद्भुत रूप लेते हुऐ, कन्हैया की प्रेरणा से गौ सेवा को अपना लक्ष्य बनाया, और "गौ सेवा धाम हॉस्पीटल" का पवित्र पावन संकल्प लिया और कथाओं के माध्यम से गौ सेवा प्रकल्पों की ओर अग्रसर है ।

''गावो विश्वस्य मातरः''

मातर सर्व भूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः

हमारी सनातन संस्कृति में आदि काल से ही वेदों, उपनिषदों, पुराणों एवं ग्रंथों में गौवंश की महिमा कही गई है, जिसमें गाय को माता कहकर पुकारा गया है। भारत की शास्त्रीय लोक मान्यता है कि गाय के शरीर में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास है। गौ शब्द भारत में पवित्रता, महानता, श्रृद्धा और धार्मिक संस्कृति का प्रतीक है, इसलिए भारत के अनेक पावन सम्बोधन गौ शब्द से ही प्रारम्भ होतें हैं, जैसे–गोवर्धन, गोपाल, गोमुख, गोदावरी, गौतम, गोकुल

श्री कृष्ण और गौमाता तो एक दूसरे की पहचान है, श्रीकृष्ण की बंशी सुनकर गौमाता दौडती हुई उनके पास आकर उनसे लिपट जाती थीं। गौ द्वारा उत्पादित दूध, घी और मक्खन तो भगवान का प्रिय भोजन था, और भगवान श्री कृष्ण ने स्वंय गोवर्धन व गौमाता की पूजा की थी। गाय को लौकिक एवं परलौकिक हर दृष्टि से परम लाभकारी होने के कारण पशु नही वरन् परिवार के सदस्य के रूप में प्रतिष्ठा दी जाती रही है।

आज हमारी भारतीय सस्कृति व हमारी माँ समान गौमाता दोनों का पतन दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। दुर्भाग्यवश 'माता स्वरूप' गाय आज गली–गली, सड़क–सड़क, भटक रही है। भूख से व्याकुल गाय, गन्दगी भरे स्थानों पर गन्दगी व हमारे द्वारा फैंका हुआ कूड़ा व प्लास्टिक की थैलियाँ खाने को मजबूर है। प्लास्टिक के साथ–साथ काँच व लोहे की कीलें आदि भी मुँह में जाकर घाव करती है, जिससे लगातार मुँह से खून बहता है। लेकिन... भूख के कारण गऊ तब भी वही कचड़ा खाती रहती है–

''ना कोई खाना देने वाला, ना ही कोई इलाज कराने वाला''

निगला हुआ प्लास्टिक पेट में जमा हो जाता है, और पेट फूल जाता है। बेचारी असहाय, बीमार गाय यूँही तड़पती रहती है।

कचड़ा खाती गौमाता

कचड़ा खाती गौमाता

शहर का सारा कचड़ा इकट्ठा कर शहर से बाहर फैंक दिया जाता है। कचड़ा सड़क के किनारे होने के कारण, कुछ बेचारी गौ सड़क दुर्घटना का शिकार भी हो जाती है, जो असहाय, लाचार, बेवश अपने घावों के साथ पड़ी रहती है– कचडे के साथ जहरीले रासायनिक पदार्थ, सड़ा–गला मलवा, प्लास्टिक आदि खाने से गऊ माता को हरनियाँ, कैंसर इत्यादि बीमारियाँ लग जाती हैं।

कैंसर से पीड़ित गौवंश

संभावित सड़क दुर्घटना

बीमारी से पीडित गौवंश

सड़क दुर्घटना ग्रस्त

माँ समान गौमाता की इस दुर्दशा को देखकर कौन ऐसा निर्मोही होगा, जिसका दिल ना रोए, आखों से आँसू ना आये। परन्तु सच्चाई यही है कि यह अदृश्य जुल्म हमारे द्वारा ही हमारी, माँ समान गौ माता पर किया जा रहा है। आजादी से पूर्व हमारे देश में 300 कत्लखाने थे और आज 36,032 से भी ज्यादा हैं ।

एक निर्जीव सामान की भाँति गऊ माताओं को ट्रक में एक के उपर एक ठूँस–ठूँस कर कत्लखाने लाया जाता है जहाँ उन्हें कई दिनों तक भूखा रखकर कमजोर दिखाकर निरुपयोगी होने का प्रमाण–पत्र ले लिया जाता है। डॉक्टर भी चन्द पैसों की खातिर बिक जाते है। फिर वहाँ घसीट यंत्र के द्वारा खींचकर गाय को उल्टा लटका दिया जाता है – गाय रम्भाँती रहती है। और कसाई उल्टे लटके पशु की गलनस काट देता है ताकि पशु मरे नही और खून रिस–रिस कर निकल आये। ;क्योकि मरने के बाद खून नहीं निकलता, खून जम जाता है। कत्लखानों में गाय के उपर उबलता हुआ पानी भी छोड़ा जाता है ताकि खून का संचार पूरे शरीर में तेज हो जाए व पशु की चर्म भी नरम हो जाय ताकि बाद में चर्म आसानी से निकल जाऐ।

इसलिए अपनी माँ के दर्द को लोग समझें उसे पूर्णतः वही 'माँ' का दर्जा दे जिसे उन्होने गौ माँ से छीन लिया है ।

'देवी चित्रलेखा जी' जो कि महज सात साल की उम्र से श्रीमद् भागवत कथा देश–विदेश में कर रहीं हैं । उनके द्वारा स्थापित वर्ल्ड संकीर्तन टूर ट्रस्ट के तत्वाधान

में 'गौ सेवा धाम हॉस्पीटल' की स्थापना का संकल्प लिया गया है । इसी संदर्भ में देवीजी कई गऊशालाओं के सहायतार्थ भागवत कथा का आयोजन कर चुकी हैं, और अब इस सेवा कार्य को विस्तार रूप प्रदान करने हेतु एक अति आधुनिक अस्पताल 'गौ सेवा धाम हॉस्पीटल' के निर्माण का शुभारम्भ किया गया है। जहाँ पर बड़ी संख्या में गौ माता की यथार्थ में सेवा की समुचित व्यवस्था की जा सके एवं इस संदर्भ में आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आपश्री के सहयोग से दो एकड़ (10 बीघा) जमीन का क्रय होड़ल में भुलवाना ग्राम के निकट कर लिया गया है। इससे सम्बधित समस्त कार्य प्रणाली, रूप रेखा एवं कार्य योजना को बहुत जल्दी ही आपके समक्ष प्रस्तुत कर दिया जायेगा। जहाँ ओपन एम्बूलेंसों के द्वारा शारीरिक उत्पीडना से ग्रसित, जख्मी, बीमार, असहाय व अनाथ गौवंश का पूर्णरूप से डॉक्टरी ईलाज व ऑपरेशन कर शारीरिक पीड़ा से मुक्त कराया जायेगा, गौवंश की पूर्णरूप से देखभाल की जायेगी।

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल के उद्देश्य :–

1. हमारे आस–पास जितनी भी गौशालायें हैं, और उन गौशालाओं में जितनी भी बीमार गौमाता है, उन्हें 'गौ सेवा धाम हॉस्पीटल' की एंम्बुलैंस के द्वारा लाना और अस्पताल में उनका उपचार कर ;बिना किसी चार्ज केद्ध वापस उसी गौशाला में पहुँचा कर आना।
2. असहाय, वृद्ध व दर–दर भटकती गौमाता की 'गौ सेवा धाम हॉस्पीटल' में पूरी तरह से देखभाल करना।
3. रूग्ण, लाचार, बीमार, कैंसरग्रसित, तीन पैरों वाली व दुर्घटनग्रस्त गायों को उचित चिकित्सा प्रदान करना।
4. गौ हत्या बंद हो, इस विषय पर व्यवहारिक कार्य करना।
5. कसाईयों के चंगुल से गौ माता को छुडाना और छुडाई गई गौ माता को गौशाला में शामिल करना।
6. फिर से देश में शुद्ध अन्न, दूध, दही, घी आदि पदार्थो का विस्तार करना।

देश – विदेशों में हो रहे गौ अत्याचार को पूर्णरूप से बन्द करने व गौ सम्मान को बढ़ाने के लिए आप सभी का साथ बहुत–2 जरूरी है। आप भी हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। जो लोग शारीरिक सहयोग करना चाहें वे शारीरिक सहयोग करें, जो आर्थिक सहयोग करना चाहते हैं, वे यथार्थ आर्थिक सहयोग करें, क्योंकि माँ का सम्मान हमारा सम्मान, हमारा सम्मान, देश का सम्मान है।

जब सृष्टि का सृजन हुआ तब यह भूमि ''गौ हॉस्पीटल'' के लिए सुनिश्चित की गई होगी। वर्षों बाद आज आप सभी भाग्यशाली परिवारों को इस हॉस्पीटल का निर्माण कराने का सौभाग्य मिला है जहाँ बीमार गायें स्वस्थ होकर वर्षों आपको आशीर्वाद देंगी।

कैंसर ग्रसित - उपचार से पहले

उपचार के बाद

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल

गौ सेवा धाम हॉस्पीटल

''गौ सेवा धाम हॉस्पीटल'' की आवश्यक वस्तुओं की सहयोग राशि

क्र.	वस्तु	संख्या	प्रतिकीमत
1	कमरा 14' × 13'	80	2 लाख 51 हजार
2	कमरा 19' × 22'	20	5 लाख 51 हजार
3	कैंसर वार्ड 46' × 40'	3	10 लाख
4	शरीर पीडित वार्ड 46' × 40'	3	10 लाख
5	अंधी गायों का वार्ड 46' × 40'	3	10 लाख
6	तीन पैर वाली गायों का वार्ड 46'×40'	3	10 लाख
7	अत्याधिक घायल गायों का वार्ड 46'×40'	3	10 लाख
8	बछडे बछडी वार्ड 46' × 40'	3	10 लाख
9	भूसा, खर, बिनौला, हरा चारा भवन	1	10 लाख
10	ऑपरेशन थियेटर 35' × 12'	1	5 लाख 51 हजार
11	एम्बूलेन्स	10	10 लाख
12	एक्स रे मशीन	2	30 लाख
13	अल्ट्रासाउण्ड मशीन	2	30 लाख
14	ऑपरेशन टूल किट	1किट	10 लाख
15	65 केवीए जरनेटर सेट	2	15 लाख
16	टैक्टर व ट्राली	2	10 लाख
17	टयूब वैल बोरिंग	2	1 लाख
18	राधा कृष्ण व गौ माता मंदिर (1100रू प्रति फीट)		1 करोड़
19	गायों के नहाने का तालाब	1	4 लाख
20	गोबर गैस संयंत्र	1	10 लाख
21	गौ औषधालय	1	1 करोड 50 लाख
22	डॉरमैटरी 60' × 30'	1	50 लाख
23	आर0सी0सी सडक निर्माण		20 लाख

दवाई, भूसा, गुड़, खल आदि सहयोग 2100रू, 5,100रू एवं एक गाडी भूसा 11,000रू, एक खल बोरी 1100रू, एक हैपेद आहार 1100रू दान कर गौ माता की सेवा कर पुण्य के भागी बनें ।

नोट :– हॉस्पीटल निर्माण में आप 1100 रू प्रति फीट से भी सेवा सहयोग कर सकते हैं।

HDFC BANK

Name : World Sankirtan Tour Trust,
Branch : Hodal
A/C : 17341450000139
IFSC : HDFC0001734

State Bank Of India

Name : World Sankirtan Tour Trust,
Branch : Hodal
A/C : 31476745544
IFSC : SBIN0004239

आप अपनी सहयोग राशि ऊपर दिये गये बैंक खाते में जमा करा सकतें हैं

या 'वर्ल्ड संकीर्तन टूर ट्रस्ट' के नाम चैक, डी.डी. व मनी ऑर्डर हमारे पते पर भेज सकतें हैं। आपश्री दिये गये दान पर 80G रसीद प्राप्त कर Income Tax में 50% छूट प्राप्त कर सकते हैं। **PAN No. : AAA TW 2203R**

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :-

कार्यालय : गौ सेवा धाम हॉस्पीटल, तहसील - होडल, जिला - पलवल हरियाणा, (121106) - भारत

फोन नं. : 09991771111, 09991772222, 09991773333, 09991774444 09991775555

ई-मेल : devichitralekha@yahoo.com

वेबसाईट : www.worldsankirtan.org, www.gausevadham.org